

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग ॥--खण्ड अ--उपखण्ड (11)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 107]

नई विल्ली, बुधवार, क्षार्च 19, 1975/फाल्गुन 28, 1896

No. 107]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 19, 1975/PHALGUNA 28, 1896

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह द्यलग संकलन के रूप में एखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 19th March 1975

S.O. 146(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. III(E), dated the 15th February, 1974, the management of the industrial undertaking known as Messrs. Britannia Engineering Works (Wagons Division), Mokameh, in the State of Bihar (thereafter in this Order referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of five years commencing from the 15th of February, 1974;

And whereas the Central Government is satisfied that it is necessary so to do in the interest of the general public with a view to preventing fall in the volume of production in a Scheduled Industry concerned, namely, Railway Rolling Stock;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments entered into, given or made, as the case may be, before the 15th February, 1974 and in force (to which the said industrial undertaking or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company) immediately before the date of issue of this Order shall remain suspended and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising therefunder before the said date shall remain suspended.

2. This Order shall remain in force for a period of one year from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. 13(13)/74-HM-III] 9. M. GHOSH, Jt. Secy.

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रासय (भारी उद्योग विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 19 माच, 1976

का० ग्रा० 146 (ग्र) — यतः भारत सरकार के भूतपूर्व ग्रीधोगिक विकास मंत्रालय के भादेश सं० का० ग्रा० 3(ई) तारीख 15 फरवरी, 1974 द्वारा मैसर्स ब्रिटानिया इंजीनियरिंग वर्क्स (वंगन्ज डिवीजन) मोकामा, बिहार राज्य, (जिसे इस श्रादेश में इसके प्रश्वात उक्त ग्रौद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 18 च क के श्रिजी। 15 फरवरी, 1974 से प्रारम्भ होने वाल: पांच वर्ष की श्रवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया है;

श्रौर यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि सम्बद्ध श्रनुसूचित उद्योग, श्रथीत् रेलवे रोलिंग स्टाक, के उत्पादन में कमी भी रोकने काद्ष्टि से ऐसा करना जनसाधारण के हित में श्रावश्यक हैं;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त ग्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह घोषित करती है कि 15 फरवरी, 1974 से पूर्व यथास्थिति, किए गए या दिए गए भ्रोर इस म्रादेश के निकाले जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्नों, करारों, व्यवस्थाओं, पंचाटों, स्थायी भ्रादेशों या धन्य लिखतों का (जिसका कि उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम या ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी पक्षकार है भ्रथवा जो ऐसे भ्रौद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू किए जा सकते हैं) प्रवर्तन लिखत रहेगा भ्रौर उक्त तारीख से पूर्व उनके भ्रधीन प्रोदभूत या उद्भूत होने वाले सभी भ्रधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व निम्बत रहेगे।

2. यह स्नादेश, राजपन्न में इसके प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की भवधि के लिए प्रवृत्त रहेगा।